रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 21 मार्च, 2026

वर्ष 02 | अंक 74 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

खाड़ी देशों को दुनिया के सबसे घातक हथियार देगा अमेरिका, $16 बिलियन की डिफेंस डील

ईरान से जंग के बीच अमेरिकी प्रशासन ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE), कुवैत और जॉर्डन को अरबों डॉलर के घातक हथियार बेचने की मंजूरी दे दी. ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह बड़ा कदम उठाया है. इस डिफेंस डील से खाड़ी देशों की एयर डिफेंस और हमला करने की क्षमता बढ़ जाएगी.दरअसल अमेरिका ने ईरान युद्ध के नतीजों से बुरी तरह प्रभावित खाड़ी देशों, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और जॉर्डन को 16.46 अरब डॉलर के हथियार बेचने की मंजूरी दे दी है।

मिसाइलों और ड्रोन से जोरदार हमला

पिछले महीने के अंत में शुरू किए गए अमेरिका-इजराइल के व्यापक हवाई हमले के जवाब में ईरान ने मिसाइलों और ड्रोन से भारी हमले किए, जिससे कई खाड़ी देशों में जानमाल का नुकसान हुआ और इन देशों को हमलों का मुकाबला करने के लिए भारी सैन्य संसाधन खर्च करने पड़े अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है कि उन्होंने सैन्य उपकरणों की तत्काल बिक्री की आवश्यकता को साबित करने के लिए विस्तृत प्रमाण प्रस्तुत किए हैं और इस प्रकार कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता को खत्म कर दिया है।

खाड़ी देशों को मिलेंग हाईटेक हथियार

अमेरिकी विदेश विभाग के एक बयान के अनुसार, सबसे बड़ी बिक्री कुवैत को 8 अरब डॉलर में एडवांस्ड लोअर टियर एयर एंड मिसाइल डिफेंस सेंसर रडार की हुई है।

Happy Birthday

Shree Mataji Nirmala Devi Ji

आपके दिव्य जन्मदिवस पर कोटि-कोटि नमन आपके द्वारा दिखाया गया सहज योग का मार्ग आज भी लाखों लोगों के जीवन को शांति, प्रेम और आत्मसाक्षात्कार से भर रहा है मां, आपका आशीर्वाद सदा हम सब पर बना रहे आपकी कृपा से जीवन में सकारात्मकता और आनंद बना रहे।

Happy Birthday to the divine mother
Shree Mataji Nirmala Devi Ji

आपका जीवन मानवता के लिए प्रेरणा है
आपके चरणों में नमन

PM मोदी ने होर्मुज स्टेट में जहाजों पर हो रहे हमले पर जताई चिंता

कतर, फ्रांस, ओमान के राष्ट्र प्रमुखों से की बात

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने वैश्विक चिंता को और गहरा कर दिया है। ईरान और अमेरिका के बीच टकराव की स्थिति से ऊर्जा आपूर्ति और क्षेत्रीय स्थिरता पर खतरा मंडरा रहा है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर, जॉर्डन, फ्रांस, ओमान और मलेशिया के नेताओं से बातचीत कर शांति बहाली पर जोर दिया और ऊर्जा ढांचे पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की है।

ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले अस्वीकार्य - पीएम

प्रधानमंत्री ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय से बातचीत में स्पष्ट किया कि भारत ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों को अस्वीकार्य मानता है। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले न केवल क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ाते हैं बल्कि वैश्विक बाजार को भी प्रभावित करते हैं। भारत ने स्ट्रेट ऑफ होरमुज के जरिए सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवाजाही की आवश्यकता पर जोर दिया, जो दुनिया की ऊर्जा सप्लाई के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है।

पीएम ने ओमान की भूमिका की सराहना की

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री ने तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि सभी देशों को मिलकर शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रयास करने चाहिए। ओमान की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि संकट के समय लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना मानवीय दृष्टिकोण से अहम है।

तनाव को कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने जरूरी - पीएम

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ बातचीत में भी पश्चिम एशिया की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। दोनों देशों ने सहमति जताई कि तनाव को कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने जरूरी हैं। ईरान द्वारा तेल और गैस सुविधाओं पर बढ़ते हमलों और इजरायल के जवाबी कदमों ने हालात को और गंभीर बना दिया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दबाव बढ़ सकता है।

मददगार साबित हो सकती है भारत की पहल

इस पूरे घटनाक्रम में भारत ने संतुलित और जिम्मेदार भूमिका निभाते हुए शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत की यह कूटनीतिक पहल क्षेत्रीय स्थिरता में सकारात्मक योगदान दे सकती है और वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में मददगार साबित हो सकती है।

थाना प्रभारी पर जनप्रतिनिधि से अभद्रता का आरोप पुलिस अधीक्षक से हुई शिकायत

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल पुलिस एक बार फिर सवालों के घेरे में है। कानून की रक्षा करने वाले ही अगर दादागिरी पर उतर आए तो फरियाद लेकर थाने पहुंचने वाली जनता आखिर किससे न्याय की उम्मीद करे। ऐसा ही मामला शहडोल जिले के बुढार थाना से सामने आया है, जहां जनपद पंचायत बुढार के उपाध्यक्ष ने थाना प्रभारी पर अभद्र व्यवहार और शिकायत दर्ज न करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। जिले के विवादित थाना बुढार एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस बार मामला जनपद पंचायत बुढार के उपाध्यक्ष के साथ थाना प्रभारी द्वारा कथित अभद्र व्यवहार का है। जनपद उपाध्यक्ष ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक शहडोल को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत बुढार के उपाध्यक्ष हर्ष प्रताप सिंह ने पुलिस अधीक्षक को भेजे शिकायत पत्र में बताया कि 24 फरवरी को वे अपने साथ हुई अभद्रता और जानलेवा हमले की शिकायत दर्ज कराने के लिए बुढार थाना पहुंचे थे। उनके साथ सहायक लेखाधिकारी देवेंद्र कुमार गौतम भी मौजूद थे,शिकायत में आरोप लगाया गया है कि थाना प्रभारी विनय सिंह ने उनकी बात सुनने के बजाय उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए धमकी भी दी। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि थाना प्रभारी द्वारा उनकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया गया और कहा गया कि उन्हें किसी झूठे केस में फंसाकर उनका राजनीतिक करियर खत्म कर दिया जाएगा, इस व्यवहार से आहत होकर जनपद उपाध्यक्ष ने पूरे मामले की लिखित शिकायत पुलिस अधीक्षक से करते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

जनपद उपाध्यक्ष का कहना है कि जब कानून की रक्षा करने वाले ही फरियादियों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा, उन्होंने मांग की है कि मामले की जांच कर दोषी पाए जाने पर थाना प्रभारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और उन्हें बुढार थाना से हटाया जाए। इस मामले में शिकायत की प्रतिलिपि पुलिस महानिदेशक भोपाल, पुलिस महानिरीक्षक शहडोल संभाग और पुलिस उप महानिरीक्षक शहडोल को भी भेजी गई है। अब देखना होगा कि इस शिकायत पर पुलिस विभाग क्या कार्रवाई करता है इसका इंतजार हैं l

घरेलू सिलेंडर की हो रही पर्याप्त आपूर्ति

कलेक्टर शिवम वर्मा ने एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा की

आदित्य शर्मा

इंदौर। इंदौर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ बनी हुई है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा विगत 10 दिनों में घरेलू सिलेंडर आपूर्ति एवं प्राप्त शिकायतों के निराकरण की समीक्षा हेतु आज रेसिडेंसी कोठी में बैठक आयोजित की गई। बैठक में इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन तथा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के सेल्स अधिकारी, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारी तथा गैस एजेंसियों के डीलर उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान पाया गया कि पिछले 10 दिनों में घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 3 लाख 63 हजार गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी की गई, जो सामान्य दिनों की तुलना में एक रिकॉर्ड है। सामान्यतः इसी अवधि में लगभग 2 लाख 60 हजार सिलेंडरों की आपूर्ति होती है। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि अस्पतालों एवं शैक्षणिक संस्थानों को, जिन्हें कमर्शियल सिलेंडर हेतु विशेष छूट प्रदान की गई है, उनकी आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहे। साथ ही एस वी कनेक्शन, गैस बैंक एवं मैनिफोल्ड प्रणाली के अनुरूप ही सिलेंडरों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी ऑयल कंपनियों को निर्देशित किया कि हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का निराकरण हर हाल में 24 घंटे के भीतर किया जाए तथा इसकी दैनिक रिपोर्ट जिला आपूर्ति कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। बैठक में अवंतिका गैस पाइपलाइन के माध्यम से दिए जा रहे कनेक्शनों की भी समीक्षा की गई। जानकारी दी गई कि पिछले 10 दिनों में लगभग 600 घरेलू एवं 111 कमर्शियल पाइपलाइन कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि जहां-जहां पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां प्राथमिकता से कनेक्शन देकर सिलेंडर निर्भरता कम की जाए। साथ ही आवेदन के एक सप्ताह के भीतर कनेक्शन प्रदान करने की प्रक्रिया को और तेज किया जाए। आपूर्ति विभाग द्वारा विगत 10 दिनों में 92 प्रकरण दर्ज कर लगभग 300 सिलेंडर जब्त किए गए हैं तथा कुछ मामलों में अभियोजन की कार्रवाई भी की गई है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रखी जाए तथा शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

रायपुर में 37 करोड़ का प्रोजेक्ट 'स्काई वॉक' अधूरा, आठ महीनों का किया था वादा, 10 माह में भी सुस्ती... लटकते स्ट्रक्चर से खतरा

रायपुरः शहर के बीचों-बीच 37 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे शास्त्री चौक स्काई वॉक (Sky Walk) के निर्माण की गति धीमी नजर आ रही है। इसे आठ माह में पूरा करने का दावा किया गया था। लेकिन 10 माह में भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। कई स्थानों पर पुराने स्ट्रक्चर अब तक नहीं हटाए गए हैं, जो तेज हवा में लटकते दिखाई देते हैं। ऐसे में इनके गिरने से किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।अभी तक कचहरी चौक और आंबेडकर अस्पताल चौक और शास्त्री चौक पर कंपनी ने गर्डर जरूर चढ़ाए। लेकिन पांच महीने बीतने के बाद भी न तो सीढ़ियां बनी हैं और न ही पिलर खड़े हो पाए हैं। पीडब्ल्यूडी ने मई में काम शुरू कर आठ महीने में पूरा करने की समय-सीमा तय की थी। लेकिन आधा समय निकलने के बावजूद ठेकेदार सिर्फ लोहे की संरचना तक ही सीमित है। मौके पर अधिकांश हिस्सों में गर्डर और बीम तो दिख रहे हैं, लेकिन पैदल यात्रियों के लिए जरूरी ढांचा अब भी अधूरा है। विभाग की ओर से हर बार यही तर्क दिया जा रहा है कि ट्रैफिक का दबाव ज्यादा है, इसलिए निर्माण प्रभावित हो रहा है।

यह है स्काईवाक प्रोजेक्ट

स्काई वॉक का उद्देश्य रेलवे स्टेशन, शास्त्री चौक और जयस्तंभ चौक जैसे व्यस्त इलाकों में पैदल यात्रियों को ट्रैफिक से राहत देना और शहर को माडर्न लुक देना है, ताकि शहर के बीच दोपहिया-चारपहिया वाहनों की आवाजाही कम हो सके। परियोजना की कुल अनुमानित लागत 37 करोड़ 75 लाख 70 हजार 682 रुपये है, जो पहले के अनुमान से लगभग 20.17 प्रतिशत अधिक है। निर्माण कार्य को पीएसएस कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड रायपुर को सौंपा गया है।

यह है स्काईवाक प्रोजेक्ट

स्काई वॉक का उद्देश्य रेलवे स्टेशन, शास्त्री चौक और जयस्तंभ चौक जैसे व्यस्त इलाकों में पैदल यात्रियों को ट्रैफिक से राहत देना और शहर को माडर्न लुक देना है, ताकि शहर के बीच दोपहिया-चारपहिया वाहनों की आवाजाही कम हो सके। परियोजना की कुल अनुमानित लागत 37 करोड़ 75 लाख 70 हजार 682 रुपये है, जो पहले के अनुमान से लगभग 20.17 प्रतिशत अधिक है। निर्माण कार्य को पीएसएस कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड रायपुर को सौंपा गया है।

2016 से लटका स्काईवाक

शास्त्री चौक स्काई वाक की कहानी नई नहीं है। 2016-17 में इसका सपना देखा गया और तब करीब 70 प्रतिशत निर्माण भी हो चुका था। 2018

में सत्ता परिवर्तन के बाद काम रोक दिया गया। वर्षों बाद जब दोबारा निर्माण शुरू हुआ तो उम्मीद जगी, लेकिन ठेकेदार की सुस्ती और विभागीय ढिलाई के चलते यह प्रोजेक्ट फिर अटकता नजर आ रहा है। इंजीनियरों का मानना है कि मौजूदा रफ्तार ऐसी ही रही तो इसे पूरा होने में सात से आठ महीने और लग सकते हैं।

कहां-कहां से गुजरेगा स्काई वाक

स्काई वाक डीकेएस अस्पताल से आंबेडकर अस्पताल तक प्रस्तावित है। दोनों छोर पर एस्केलेटर और लिफ्ट लगाने की योजना है, ताकि मरीजों को स्ट्रेचर सहित एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक आसानी से पहुंचाया जा सके। जयस्तंभ चौक, शहीद स्मारक, तहसील कार्यालय और कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्ग जोड़ने का भी दावा किया गया है।

ट्रैफिक और पार्किंग की योजना

स्काई वॉक के चालू होने के बाद जयस्तंभ और कलेक्ट्रेट की दिशा से आने वाले वाहनों को मल्टीलेवल पार्किंग में खड़ा करना होगा। वहां से लोग स्काई वाक से संभागायुक्त कार्यालय, तहसील, जिला कोर्ट और शहीद स्मारक भवन तक पैदल पहुंच सकेंगे।

यहां निर्माण अब भी अटका

कलेक्ट्रेट और जिला कोर्ट दिशा में तीन एग्जिट प्वाइंट अब भी अधूरे। डीकेएस और आंबेडकर अस्पताल को जोड़ने वाला हिस्सा बंद पड़ा। एस्केलेटर और लिफ्ट लगाने की प्रक्रिया शुरू नहीं। जयस्तंभ चौक, शहीद स्मारक और तहसील आफिस की ओर निर्माण अधूरा।

रात में रोका गया ट्रैफिक

शास्त्री चौक से जयस्तंभ चौक तक रात के समय (10 रात से 6 सुबह तक) यातायात को वन-वे किया गया है, ताकि गर्डर और स्लैब लगाने का काम तेजी से पूरा किया जा सके। सुविधाएं : लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबे स्काई वाक में 12 स्थानों पर एस्केलेटर और सीढ़ियां लगाई जाएंगी, जो घड़ी चौक, आंबेडकर अस्पताल और जयस्तंभ चौक को जोड़ेंगी।

रणजीत टाइम्स

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की, आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए आदतन अपराधियों व बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही लगातार जारी...

»» पुलिस कमिश्नर इंदौर द्वारा आपराधिक गतिविधियों में लिप्त कुल 16 शातिर बदमाशों के विरुद्ध, जारी किए गए प्रतिबंधात्मक आदेश

»» 05 कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर कर, किया गया इंदौर व सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमा से निष्कासित।

»» 11 अन्य बदमाशों के विरुद्ध निर्बन्धन आदेश जारी कर, थाना हाजरी होने के लिए किया गया पाबंद।

»» बदमाश आदतन अपराधी है, जिनके विरुध्द पूर्व से पंजीबध्द है- विभिन्न धाराओं के कई गंभीर अपराध।

आदित्य शर्मा

इंदौर नगरीय क्षेत्र मे अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए, पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा सक्रिय गुंडे बदमाशों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस आयुक्त द्वारा संबंधित जोन के पुलिस अधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदन पर कार्यवाही करते हुए 05 कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर तथा 11 अन्य शातिर बदमाशो को थाना हाजरी के लिए निर्बन्धन आदेश जारी कर विभिन्न शर्तों के अधीन पाबंद किया गया है। आदतन बदमाश जो कि आपराधिक प्रवृत्ति के होकर इनके द्वारा क्षेत्र में लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। इन अपराधियों के विरुध्द विभिन्न गंभीर धाराओं के कई अपराध शहर के विभिन्न थानों में पंजीबद्ध है। बदमाशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

के उपरांत भी इनके द्वारा लगातार अपराध कारित कर आम लोगो की शांति भंग कर क्षेत्र की लोक व्यवस्था भंग की जा रही थी।

उक्त बदमाशो की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु बदमाशों के विरुद्ध म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत कार्यवाही हेतु इनके प्रकरणों के प्रतिवेदन को श्रीमान पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त प्रकरणों की जांच एवं विचारण उपरांत पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा उक्त 05 बदमाशों

1. रोहित उर्फ काला पिता ताराचंद मोरे उम्र 25 साल निवासी गली नं.3 इदरिश नगर मूसाखेड़ी थाना आजाद नगर इंदौर (अवधि - 06 माह)

2. शुभम उर्फ जला पिता तेजराम परिहार उम्र 25 वर्ष निवासी शंकर कॉलोनी थाना गांधी नगर इंदौर (अवधि - 06 माह)

3. राज पिता ओमप्रकाश वर्मा उम्र 25 वर्ष निवासी 276 शीलनाथ कैंप कुलकर्णी का भट्टा थाना परदेशीपुरा इंदौर (अवधि - 06 माह)

4. पुनीत पिता इन्दौरी लाल गणगौरे उम्र 23 वर्ष निवासी गणेश नगर खंडवा नाका थाना भंवरकुआं इंदौर (अवधि - 06 माह)

5. साहिल उर्फ चेरी पिता हरिशंकर राजभर उम्र 23 वर्ष निवासी 223 लसूड़िया मोरी सरकारी स्कूल के पास थाना लसूड़िया इंदौर (अवधि - 03 माह)

उक्त सभी 05 बदमाशों को निर्धारित अवधि के लिए जिला इंदौर (नगरीय एवं देहात) एवं उससे लगे सीमावर्ती जिलो की सीमाओं के लिये प्रतिबंधित करने हेतु जिलाबदर आदेश जारी किया गया है। इसके साथ ही आदतन बदमाशों की आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए, पुलिस कमिश्नर इंदौर द्वारा उक्त 11 बदमाशों को निर्बंधन आदेश से प्रतिबंधित किया है

1. दीपक उर्फ जूना उर्फ दीपू पिता रमेश भाट उम्र 33 वर्ष निवासी मरीमाता का बगीचा जबरन कॉलोनी थाना रावजी बाजार इंदौर (अवधि - 01 वर्ष)

2. आशीष पिता गब्बर टिकलिया उम्र 23 साल निवासी मरीमाता का बगीचा जबरन कॉलोनी थाना रावजी बाजार इंदौर (अवधि - 01 वर्ष)

3. पंकज उर्फ सोहन पिता चंद्रिका सेंगर उम्र 35 वर्ष निवासी 34/02 परदेशीपुरा थाना परदेशीपुरा इंदौर (अवधि - 01 वर्ष)

4. गौतम पिता संजय थोरवे उम्र 22 साल निवासी 192 नई जीवन की फेल थाना परदेशीपुरा इंदौर (अवधि - 06 माह)

5. भानु पिता संजय थोरवे उम्र 24 साल निवासी 192 नई जीवन की फेल थाना परदेशीपुरा इंदौर (अवधि - 06 माह)

6. चित्रांश उर्फ शिवम उर्फ बिट्टू पिता सुनील गायकवाड़ निवासी 367 जनता क्वार्टर थाना परदेशीपुरा इंदौर (अवधि - 06 माह)

7. सूरज उर्फ गोलू पिता अशोक श्रीवास उम्र 35 साल निवासी 174/1 गोमा की फेल थाना तुकोगंज इंदौर (अवधि - 06 माह)

8. लखन पिता मानसिंह गिनावा उम्र 40 साल निवासी ग्राम सांवलिया खेड़ी, बिसनावदा गांधी नगर थाना गांधी नगर इंदौर (अवधि - 06 माह)

9. शाहिद उर्फ नाडिया पिता अब्दुल गनी उम्र 43 साल निवासी 323 गीता चौक पाटनीपुरा थाना एमआईजी इंदौर (अवधि - 06 माह)

10. लोकेश उर्फ लोकू पिता गजेन्द्र यादव उम्र 30 साल निवासी 834 कुलकर्णी का भट्टा थाना परदेशीपुरा इंदौर (अवधि - 03 माह)

11. पूनम सिलावट पिता अम्बिका प्रसाद सिलावट उम्र 40 साल निवासी 333 ब्रड़ी ग्वालटोली थाना पलासिया इंदौर (अवधि - 03 माह)

उक्त निर्बन्धन आदेश की शर्तों के तहत सभी 11 बदमाशों को-

निर्धारित समय अवधि पर संबंधित थाने देना होगी हाजिरी।

अवैधानिक गतिविधियों में नही रहेंगे संलिप्त।

शहर में लोकशांति को भंग करने का नही करेंगे कोई कार्य, आदि प्रतिबंधात्मक शर्तें लगाई गई है।

बदमाशो द्वारा उक्त निर्बन्धन आदेश की शर्तों का यदि उल्लंघन किया जाता है तो उसके विरुद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।उक्त प्रकरणों पर शासन की ओर से पैरवी एडीपीओ श्री अजय प्रताप बुंदेला द्वारा की गई।

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ "MD" के साथ आरोपी गिरफ्तार

आदित्य शर्मा

आरोपी के कब्जे से लगभग 12.87 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD" (अंतराष्ट्रीय कीमत करीबन 1,30,000/- रुपए) जप्त । आरोपी ने दोपहिया वाहन की डिक्की में छुपा कर रखा था मादक पदार्थ। आरोपी ग्राफिक्स डिजाइनिंग का कार्य करता है एवं 12 वीं कक्षा तक ही पढ़ाई की है। अपराध क्रमांक- 37/2026 ,धारा- 8/22

घटना स्थल- गुलमर्ग कॉम्प्लेक्स सपना संगीता के पास इंदौर

आरोपी का नाम - मोहम्मद अजीम निवासी सदर बाजार इंदौर जब्त माल का विवरण : - 12.87 ग्राम MD , 01 मोबाइल फोन व 01 दोपहिया वाहन कुल मश्रूका कीमत 2,50,000/- रुपए

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश पतारसी करने के दौरान शहर के गुलमर्ग कॉम्प्लेक्स सपना संगीता के पास सुनसान जगह पर एक व्यक्ति नीले सफेद रंग की एक्टिवा पर बैठा दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर हड़बड़ाने लगा गतिविधि से संदिग्ध लगने पर घेराबंदी कर रोका गया एवं पूछताछ करने पर कुछ का कुछ बताने लगा जिससे नाम पता पूछने पर मोहम्मद अजीम निवासी सदर बाजार इंदौर

का होना बताया जिसकी विधिवत तलाशी लेने पर एक्टिवा की डिक्की से एक पारदर्शी पन्नी मिली जिसमें से 12.87 ग्राम अवैध मादक पदार्थ MD बरामद की गई। आरोपी को अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस कार्यवाही - आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि अवैध लाभ अर्जित करने की मंशा से सस्ते में मादक पदार्थ खरीदकर नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर इंदौर शहर में बेचना कबूला है । आरोपी से 12.87 ग्राम "MD" जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 37/26 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

सीएम गुप्ता का DTC को 65 हजार करोड़ के घाटे से उबारने का दावा

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली परिवहन निगम (DTC), जो कभी 65 हजार करोड़ रुपये के भारी घाटे में डूबा हुआ था, अब धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़ा हो रहा है। सीएम ने यह बातें डीटीसी के नए मुख्यालय के शिलान्यास समारोह के दौरान कहीं। सीएम रेखा गुप्ता ने पिछली सरकारों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी सरकार क्रेडिट की होड़ में विश्वास नहीं करती। उन्होंने कहा, "अगर हमारी जगह कोई और सरकार होती, तो वह तीन अलग-अलग कार्यक्रमों के लिए विज्ञापन देती और तीन बार उद्घाटन करती, जिससे लागत से ज्यादा खर्च प्रचार में हो जाता। लेकिन यह आपकी सरकार है, जो ऐसा नहीं करती।"उन्होंने कहा कि दिल्ली में अब 6100 इलेक्ट्रिक बसें (EV बसें) हो गई हैं, जो देश में किसी भी शहर से सबसे ज्यादा हैं। इसी क्रम में, 150 करोड़ रुपये की लागत से 12 मंजिला अत्याधुनिक डीटीसी मुख्यालय का निर्माण किया जाएगा।

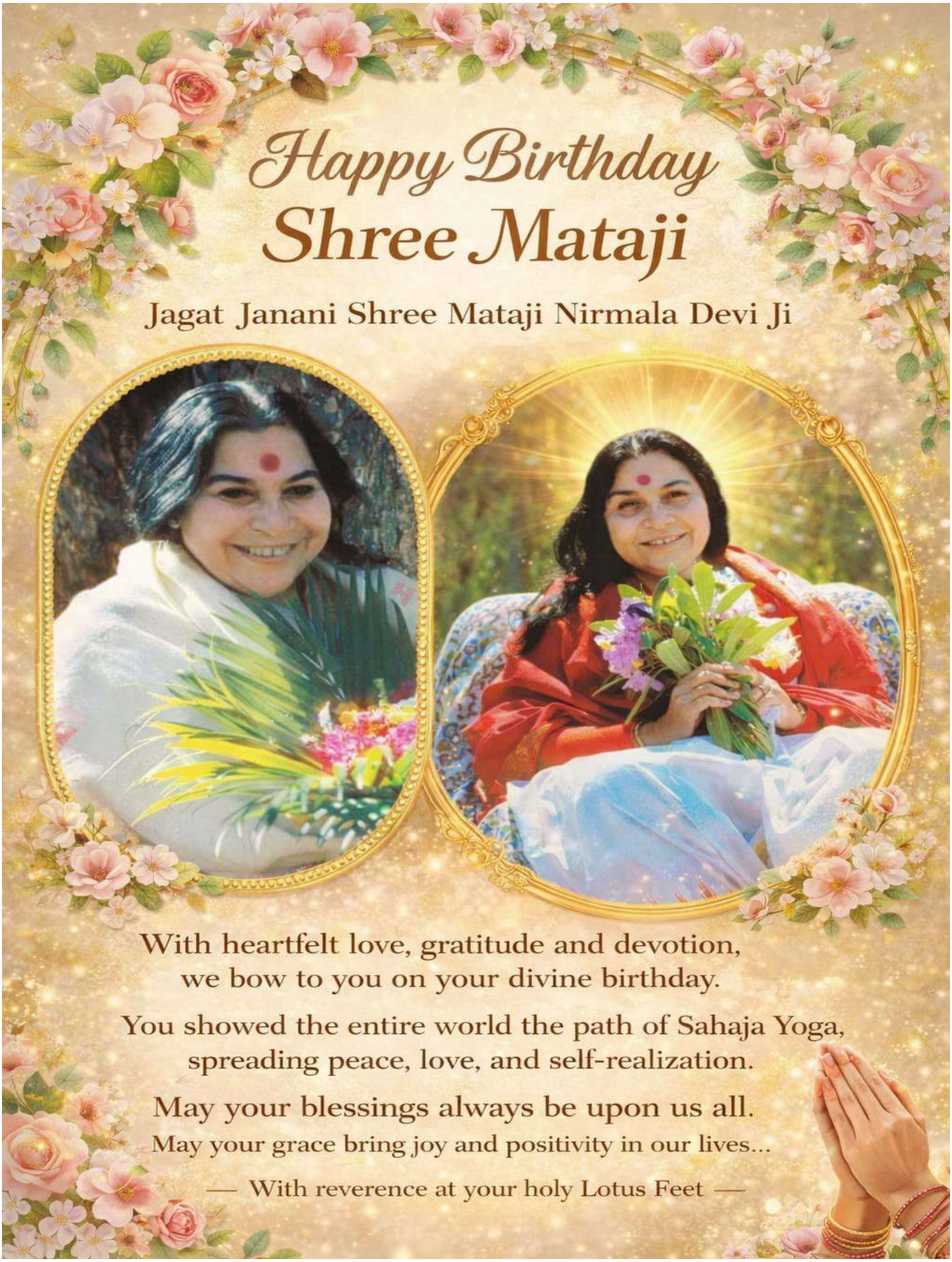
Happy Birthday
Shree Mataji
Jagat Janani Shree Mataji Nirmala Devi Ji
With heartfelt love, gratitude and devotion,
we bow to you on your divine birthday.
You showed the entire world the path of Sahaja Yoga,
spreading peace, love, and self-realization.
May your blessings always be upon us all.
May your grace bring joy and positivity in our lives...
— With reverence at your holy Lotus Feet —

इंदौर शहर कांग्रेस में सात साल बाद 52 सदस्यीय कार्यकारिणी गठित, बड़े नेताओं के समर्थक शामिल

इंदौर। इंदौर शहर कांग्रेस में अध्यक्ष चिंटू चौकसे की कार्यकारिणी का गठन हो गया है। इंदौर में सात साल बाद कांग्रेस की शहर कार्यकारिणी बनी है। इसके पहले तत्कालीन अध्यक्ष विनय बाकलीवाल के समय 400 से ज्यादा पदाधिकारियों की महा जंबो कार्यकारिणी थी। इसे साल 2019 में भंग कर दिया गया था। इसके बाद कार्यकारिणी ही नहीं बनी। बाकलीवाल के बाद एक दिन के लिए अरविंद बागड़ी और फिर सुरजीत सिंह चड्ढा शहराध्यक्ष बने, लेकिन इंदौर शहर कार्यकारिणी का गठन नहीं हुआ। अब चिंटू चौकसे के अध्यक्ष बनने के बाद कमेटी का गठन हुआ है। कांग्रेस कार्यकारिणी में शहर के पूर्व विधायकों व अन्य बड़े नेताओं के समर्थकों को जगह दी गई है।

इस बार संख्या सीमित 52 पदाधिकारी बनाए गए– इस बार इस संख्या को काफी सीमित रखा गया है। कार्यकारिणी में कुल 52 पदाधिकारी है। इसमें कोषाध्यक्ष शैलेष गर्ग बने हैं। वहीं 10 उपाध्यक्ष, 18 महामंत्री, 19 सचिव, दो प्रवक्ता (लोकेश हार्डिया व दीपू चौहान) और दो सोशल मीडिया प्रभारी (नागेश जाधव व हितेश वर्मा) बने हैं।

यह है उपाध्यक्ष, महामंत्री और सचिव– उपाध्यक्ष- प्रवेश यादव, बलराम परिहार, अंकित धवन, कमल नागर, जगदीश सतैया, गुलाब सोनकर, मित्रा भाटिया, सत्यनारायण सवाड़िया, गोपी यादव गोविंद परिहार है।

महामंत्री- नरेश यादव, अजित ठाकुर, संजय जायसवाल, अभिजीत शर्मा, मुकेश पुरी, समीर शेख, जितेंद्र घोड़गांवकर, हरिओम शर्मा, विजेंद्र सिंह, विनोद चौकसे जेनेश झांझरी, आरबी सिंह भदौरिया, सौरभ हार्डिया, मुकेश यादव, भूपेंद्र सलूजा, अभिषेक मित्तल, संतोष वर्मा, कपिल हेडऊ।

सचिव- सुधीर सोनी, राजेश मेवाड़ा, रोहन तावेड़ा, नमन छाबड़ा, जितेश बदलानी, कन्हैया मिमरोट, ऋतुराज कनखेड़िया, कपिल प्रजापत, आशीष यादव, आयाज गुड्डु, विशाल जोसफ, राहुल गोलाने, कपिल नेगी, इरफान शेख, अख्तर नेता, अनस अहमद, सुधीर सिंह, अभिषेक करोसिया और सदफ पठान।

स्थाई और आमंत्रित सदस्य की भी

सूची इसके साथ ही स्थाई और विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची भी जारी हुई है।

स्थाई सदस्यों में सत्यनारायण पटेल, शोभा ओझा, कृपाशंकर शुक्ला, सुरेश मिंडा, अर्चना जायसवाल, श्याम यादव, रमेश यादव, रामखिलावन वर्मा, चंद्रशेखर आजाद मजहर हुसैन व अश्विन जोशी। विशेष आमंत्रित सदस्यों में यशपाल गहलोत, जगदीश जोशी, ईश्वर जोशी, मुन्ना ठाकुर, अशोक जारवाल, सुधीर सेठिया, दिलीप कुदल, एन भागवत, ठाकुर जितेंद्र सिंह, राधे बौरासी, मोहम्मद अशरफ खान, संजीव सेठ,ललित सोनकिया व अर्पित शर्मा।

24 मार्च को प्रदेशभर में 'विद्यारम्भ' समारोह, आंगनबाड़ी बच्चों को मिलेंगे प्रमाण-पत्र

प्राथमिक शाला में प्रवेश को मिलेगा बढ़ावा, ईसीसीई को सशक्त बनाने की पहल

इंदौर। महिला एवं बाल विकास विभाग मध्यप्रदेश द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों में अध्ययनरत 5 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए 'विद्यारम्भ प्रमाण-पत्र वितरण एवं ग्रेजुएशन सेरेमनी' का आयोजन 24 मार्च 2026 को प्रदेशभर में एक साथ किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को प्राथमिक शाला में सहज प्रवेश दिलाना और प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीसीई) को मजबूत करना है।

शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की पहल– इस कार्यक्रम के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों में दी जाने वाली शिक्षा की उपयोगिता और महत्व को रेखांकित किया जाएगा। विभाग का मानना है कि प्रमाण-पत्र मिलने से बच्चों और उनके अभिभावकों में शिक्षा के प्रति सकारात्मक भाव विकसित होगा, जिससे वे बच्चों को नियमित रूप से आंगनवाड़ी से आगे स्कूल भेजने के लिए प्रेरित होंगे।

समारोहपूर्वक होंगे कार्यक्रम– जिला कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी केन्द्रों पर कार्यक्रम उत्सव के रूप में आयोजित किए जाएं। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्राथमिक शाला के शिक्षकों और अभिभावकों को आमंत्रित किया जाएगा। बच्चों को मंच पर बुलाकर प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे, जिससे उनमें आत्मविश्वास और उत्साह का संचार होगा।

रिकॉर्ड संधारण और रिपोर्टिंग अनिवार्य

आंगनवाड़ी स्तर पर प्रमाण-पत्र वितरण का पूरा रिकॉर्ड निर्धारित प्रपत्र में दर्ज किया जाएगा। साथ ही परियोजना स्तर पर बच्चों की संख्या, वितरित प्रमाण-पत्रों और प्राथमिक शाला में प्रवेश लेने वाले बच्चों का डेटा संकलित कर विभाग को भेजा जाएगा।

बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव

यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए एक उपलब्धि का क्षण होगा, बल्कि उन्हें औपचारिक शिक्षा की ओर प्रेरित करने का महत्वपूर्ण माध्यम भी बनेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के कार्यक्रम प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने के साथ-साथ ड्रॉपआउट दर कम करने में भी सहायक सिद्ध होंगे।

निर्धारित मानकों के अनुसार होगा खर्च

प्रमाण-पत्रों के मुद्रण के लिए प्रति प्रमाण-पत्र अधिकतम 5 रुपये की राशि तय की गई है। इन्हें ए-4 साइज की कार्डशीट पर निर्धारित डिज़ाइन के अनुसार छापा जाएगा। प्रत्येक प्रमाण-पत्र पर 10 अंकों की यूनिक आईडी अंकित होगी, जिससे रिकॉर्ड का बेहतर संधारण किया जा सके।

निगम की लेटलतीफी फिर आई सामने: 6 महीने बाद भी रहवासी परेशान

इंदौर। शहर में विकास कार्यों की रफ्तार और व्यवस्थाओं की हकीकत एक बार फिर आमने-सामने आ गई है। बाणगंगा-सुखलिया-खातीपुरा मार्ग पर बन रहे रेल ओवर ब्रिज को लेकर नगर निगम और संबंधित एजेंसियों की सुस्ती ने रहवासियों की परेशानी बढ़ा दी है।

करीब 6 महीने पहले बाणगंगा क्षेत्र के मारुति नगर में फ्लाईओवर निर्माण के लिए मकानों को तोड़ दिया गया था। उस समय दावा किया गया था कि निर्माण कार्य तेज गति से होगा और प्रभावित परिवारों को जल्द राहत मिलेगी, लेकिन हकीकत इससे उलट नजर आ रही है। मकान टूटने के बाद से रहवासी लगातार धूल, गंदगी और अव्यवस्थित रास्तों के बीच जीवन जीने को मजबूर हैं। अब हालात यह हैं कि जिन घरों के सामने पहले ही तोड़फोड़ हो चुकी है, वहां निगम द्वारा नाली निर्माण शुरू किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर यह काम पहले ही कर लिया जाता तो उन्हें महीनों तक परेशान नहीं होना पड़ता। यह रेल ओवर ब्रिज करीब 920 मीटर लंबा प्रस्तावित है, जिसे पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाया जा रहा है। इसकी लागत लगभग 27 करोड़ रुपए बताई जा रही है, जबकि कुछ रिपोर्टों में इसे बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा मानते हुए 100 करोड़ रुपए से अधिक की योजना से जोड़ा गया है। इस पुल की एक भुजा एमआर-4 की ओर उतारने का प्रस्ताव है, जिससे यातायात का दबाव कम करने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि जमीनी स्थिति यह है कि निर्माण कार्य के चलते स्थानीय रहवासियों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। टूटी सड़कों, अधूरे काम और लगातार बदलती कार्य योजना से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। रहवासियों का कहना है कि पहले मकान तोड़ दिए गए, लेकिन उसके बाद लंबे समय तक कोई ठोस काम नहीं हुआ, जिससे क्षेत्र में अव्यवस्था बनी रही।

स्थानीय नागरिकों ने निगम और प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि विकास कार्यों की योजना बनाते समय आम जनता की सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। यदि कार्यों को तय समयसीमा और समन्वय के साथ किया जाए, तो लोगों को इस तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

अब देखना यह होगा कि नगर निगम और संबंधित विभाग इस मामले में कितनी जल्दी सुधार करते हैं और प्रभावित रहवासियों को राहत मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, बाणगंगा क्षेत्र में विकास कार्य से ज्यादा अव्यवस्था ही नजर आ रही है।

अक्षय शर्मा हत्याकांड में बड़ी सफलता: जबलपुर से 3 आरोपी गिरफ्तार, 2 अब भी फरार, पुलिस की सघन तलाश जारी

इंदौर। बहुचर्चित अक्षय शर्मा हत्याकांड में पुलिस को अहम सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे तीन आरोपी शशिकांत शर्मा, गौरव शर्मा और रविकांत शर्मा को जबलपुर से गिरफ्तार किया गया है। जबलपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों को हिरासत में लिया और बाद में इंदौर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। इन आरोपियों पर पहले से इनाम भी घोषित था और ये अलग-अलग स्थानों पर छिपकर फरारी काट रहे थे।

यह सनसनीखेज वारदात 17 जनवरी को सामने आई थी, जिसमें प्रॉपर्टी विवाद के चलते अक्षय शर्मा की निर्मम हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने पहले अक्षय को इंदौर से उठाकर शाजापुर ले जाया, जहां उसे निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा गया। इतना ही नहीं, आरोप है कि मारपीट के दौरान गर्म रॉड से शरीर पर दागे भी लगाए गए, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई और अंततः उसकी मौत हो गई। इस घटना ने पूरे प्रदेश में सनसनी फैला दी थी। पुलिस जांच में सामने आया कि इस हत्याकांड में कुल 8 नामजद आरोपी शामिल थे, जिनमें आपसी रिश्तेदारी भी बताई जा रही है। शुरुआती कार्रवाई में इंदौर पुलिस ने विनोद शर्मा, रिंकू शर्मा और राहुल शर्मा को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से बाकी आरोपियों की तलाश जारी थी। अब जबलपुर से तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद कुल 6 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जबलपुर में इन आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही थी। मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उनकी लोकेशन ट्रेस कर दबिश दी गई, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। फिलहाल उनसे पूछताछ की जा रही है, ताकि वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं और साजिश की पूरी जानकारी सामने आ सके।

जैन समाज ने भोजशाला पर ठोका दावा, हाईकोर्ट ने दो अप्रैल तक याचिका पर आपत्तियां पेश करने के लिए कहा

इंदौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने धार जिले के विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर में मध्यकालीन जैन मंदिर और गुरुकुल होने का दावा करने वाली जनहित याचिका पर शुक्रवार को सरकार और अन्य प्रतिवादियों को अपनी आपत्तियां पेश करने का निर्देश दिया। याचिका में जैन समुदाय को विवादित परिसर में उपासना का अधिकार प्रदान करने की गुहार की गई है।

कोर्ट में अलग-अलग मामले हैं विचाराधीन– दिल्ली के सामाजिक कार्यकर्ता सलेकचंद जैन ने यह याचिका ऐसे वक्त दायर की है, जब संभवतः 11वीं सदी के इस परिसर के धार्मिक स्वरूप के विवाद को लेकर अलग-अलग मुकदमे उच्च न्यायालय में पहले ही विचाराधीन हैं। हिंदू पक्ष भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के आधार पर दावा कर रहा है कि यह स्मारक मूलतः एक प्राचीन मंदिर है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे मस्जिद करार दे रहा है।

दो अप्रैल की तारीख तय– एमपी हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में जैन की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रतिवादियों की ओर से आपत्ति जताते हुए कहा गया कि यह मुकदमा जनहित याचिका के तौर पर चलने लायक नहीं है। न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति राजेश कुमार गुप्ता ने जनहित याचिका पर अगली सुनवाई के लिए दो अप्रैल की तारीख तय की और प्रतिवादियों से कहा कि वे याचिका पर अपना संक्षिप्त उत्तर या आपत्तियां इस तारीख से पहले पेश करें।

आईपीएल से चुनी जाएगी वन-डे वर्ल्ड कप 2027 की टीम

20 इंडियन प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट, सिलेक्टर्स उनकी परफार्मेंस और फिटनेस पर नजर रखेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। 28 मार्च से शुरू हो रहा आईपीएल भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टी-20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी।

मीडिया सूत्र और बीसीसीआई सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस आईपीएल के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा।

इतना ही नहीं, पंजाब मुल्लांपुर में 6 से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में भी टीम इंडिया अपनी फुल-स्ट्रेंथ के साथ उतरेगा। सारे सीनियर खिलाड़ी इसमें खेलेंगे।

स्टेडियम जाकर मैच देखेंगे सिलेक्टर्स

बीसीसीआई ने सिलेक्टर्स को मैच देखने की जिम्मेदारी बांट दी गई है। हर चयनकर्ता हफ्ते में कम से कम एक आईपीएल मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, ताकि हर सप्ताह शॉर्टलिस्ट प्लेयर्स की पांच मैचों की ग्राउंड रिपोर्ट तैयार हो सके।

इसके अलावा बाकी मैचों को टीवी के जरिए ट्रैक किया जाएगा। इस बार चयनकर्ता नए उभरते खिलाड़ियों के बजाय पहले से तय वनडे कोर ग्रुप के प्लेयर्स पर ही ध्यान देंगे।

सिलेक्टर्स के जोन बांटे, अगरकर मुंबई में रहेंगे- चयनकर्ताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मुंबई में रहेंगे, जबकि एसएस दास कोलकाता से मैच देखेंगे। वहीं आरपी सिंह और अजय रात्रा एनसीआर क्षेत्र में मौजूद रहेंगे, जबकि प्रज्ञान ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में मुकाबलों पर नजर रखेंगे।

अफगान टीम के खिलाफ टेस्ट में सीनियर टीम उतारेगा भारत

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारत अपनी फुल-स्ट्रेंथ टीम उतारेगा। हालांकि इस मैच में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक नहीं मिलेंगे, फिर भी टीम मैनेजमेंट इसे हल्के में नहीं ले रहा है। अगस्त से मार्च के बीच भारत को 9 टेस्ट खेलने हैं, ऐसे में सभी रेड-बॉल खिलाड़ी इस मुकाबले में उपलब्ध रहेंगे। यह भी तय माना जा रहा है कि बुमराह और सिराज, अगर आईपीएल के दौरान फिट रहते हैं, तो अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

आईपीएल में पहली बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय

कमिंस बाहर तो ईशान ने कमान संभाली, 6 कैप्टन पहली ट्रॉफी जीतने की दौड़ में

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 19 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस के शुरुआती मैचों से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह ईशान किशन को कप्तानी सौंपी है। इसके साथ ही टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में सभी टीमों की कमान भारतीय खिलाड़ियों के हाथ में होगी। पिछले सीजन में भी हैदराबाद के पैट कमिंस को छोड़कर बाकी सभी टीमों के कप्तान भारतीय ही थे।

धोनी और रोहित सबसे सफल कप्तान

आईपीएल इतिहास में सबसे सफल कप्तानों की बात करें तो महेंद्र सिंह धोनी (सीएसके) और रोहित शर्मा (मुंबई) शीर्ष पर हैं। दोनों ने अपनी-अपनी टीमों को 5-5 बार चैंपियन बनाया है। धोनी के नाम सबसे ज्यादा मैच (229) और जीत (134) दर्ज हैं, जबकि रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच खिताब दिलाए हैं।

ईशान किशन पहली बार किसी आईपीएल की कप्तानी करेंगे

ईशान किशन पहली बार आईपीएल में कप्तानी करते नजर आएंगे।

मौजूदा 10 कप्तानों में 6 ऐसे हैं, जो अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में हैं। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, रियान पराग, शुभमन गिल, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन और ऋषभ पंत शामिल हैं। वहीं, बाकी 4 कप्तान पहले ही खिताब जीत चुके हैं। श्रेयस अय्यर ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया था, रजत पाटीदार ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को खिताब दिलाया, जबकि हार्दिक पांड्या ने 2022 में गुजरात टाइटंस को ट्रॉफी जिताई थी।

श्रेयस अय्यर इकौलते कप्तान जो तीन फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया

श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास के इकलौते कप्तान हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया है। उन्होंने 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम को मुंबई इंडियंस से हार मिली थी।

भारत 2028 में वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

- एशिया का चौथा देश बनेगा, भुवनेश्वर में होगा आयोजन, अब तक मेडल नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत को 2028 वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। भुवनेश्वर इस टूर्नामेंट की होस्ट सिटी होगा। यह पहली बार होगा जब यह आयोजन भारत में किया जाएगा। भारत की मेजबानी वाली बोली को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने पोलैंड के टोरून में हुई बैठक में मंजूरी दी। इससे पहले जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था। जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था।

भारत को पहली बार मेजबानी मिली

भारत इस चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला एशिया का चौथा देश बनेगा। इससे पहले जापान, कतर और चीन इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुके हैं। यह टूर्नामेंट हर दो साल में आयोजित होता है और इसकी शुरुआत 1985 में पेरिस से हुई थी। 2028 में होने वाला यह इसका 22वां संस्करण होगा।

2026 का एडीशन पोलैंड में होगा

2026 संस्करण टोरून (पोलैंड) में शुरू होने जा रहा है, लेकिन इसमें कोई भारतीय खिलाड़ी हिस्सा नहीं लेगा। भारत अब तक इस प्रतियोगिता में एक भी पदक नहीं जीत पाया है, जबकि अमेरिका 270 पदकों के साथ सबसे सफल देश है।

2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी करेगा

भारत को 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी करेगा। 26 नवंबर 2025 को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को होस्ट सिटी घोषित किया गया। भारत 15 साल के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में इन गेम्स का आयोजन किया गया था। तब भारतीय खिलाड़ियों ने 38 गोल्ड समेत 101 मेडल जीते थे।

लोड, खराब वायरिंग से आग का खतरा; विशेषज्ञों ने बताई सावधानियां

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बढ़ती बिजली खपत, आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल और पुराने घरों की जर्जर वायरिंग बड़े हादसों की वजह बन रही है। हाल के पालम अग्निकांड जैसी घटनाएं इस खतरे की गंभीरता को उजागर करती हैं, जिसमें एक ही परिवार के नौ लोगों की जान चली गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि घरों में अधिक लोड और खराब वायरिंग के कारण शॉर्ट सर्किट की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे आग लगने का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। ऐसे में समय-समय पर घरों की इलेक्ट्रिकल जांच कराना बेहद जरूरी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पुराने मकानों में वायरिंग बदलवाना और उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रिकल उपकरणों का इस्तेमाल करना जरूरी है। लापरवाही बरतने पर गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ सकती हैं और लोगों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। गर्मियों में एयर कंडीशनर, कूलर, पंखे और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का अधिक इस्तेमाल होने से वायरिंग पर लोड बढ़ जाता है और शॉर्ट सर्किट का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा तापमान की वजह से गैस सिलिंडर, पेट्रोल, केमिकल या दूसरी ज्वलनशील चीजों का दबाव बढ़ जाता है, जिससे लीकेज या धमाके का खतरा बढ़ जाता है। गर्मी के मौसम में तापमान बहुत ज्यादा हो जाता है। इससे कागज, लकड़ी, प्लास्टिक और कपड़े जैसी चीजें जल्दी आग पकड़ लेती हैं। गर्मी में माहौल और चीजें बहुत सूखी हो जाती हैं। सूखी घास, कूड़े, लकड़ी या कपड़ों में एक छोटी सी चिंगारी भी बड़ी आग में बदल सकती है। गर्मी की तेज हवाएं छोटी आग को भी तेजी से फैलाकर बड़े हादसे में बदल सकती हैं। नए मकान में वायरिंग कराते समय अच्छी गुणवत्ता की केबल, सही लोड कैलकुलेशन और ब्रांडेड स्विच-एमसीबी लगवाएं। अच्छी

क्वालिटी की वायरिंग 20-25 साल तक सुरक्षित मानी जाती है, लेकिन नमी, ओवरलोड और खराब इंस्टालेशन से इसकी उम्र कम हो सकती है। यदि मकान 15-20 साल पुराना है और बार-बार स्पार्किंग, फ्यूज उड़ना या स्विच गर्म होना जैसी समस्याएं आती हैं, तो पूरी वायरिंग की जांच कराएं। जरूरत पड़ने पर री-वायरिंग भी कराएं। एसी के लिए अलग लाइन और उचित क्षमता का एमसीबी होना चाहिए। पतली वायरिंग या मल्टी-प्लग से एसी चलाना खतरनाक हो सकता है। गीजर के साथ अर्थिंग और ईएलसीबी (अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर) लगाना जरूरी है। गीजर ऑन होने पर नहाने से बचें और समय-समय पर इसकी जांच कराएं।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अलग चार्जिंग प्वाइंट, सही वायरिंग और ओवरलोड प्रोटेक्शन जरूरी है। सामान्य सॉकेट से चार्जिंग करना जोखिम भरा हो सकता है। बिजली वितरण कंपनी डिस्काम की ओर से दी गई सलाह

समय-समय पर अपने घर की आंतरिक वायरिंग चेक करवाएं क्योंकि खराब आंतरिक वायरिंग सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हो सकती है। यह शॉर्ट सर्किट व आग की घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। घर में एक टेस्टर रखें, ताकि यह पता लग सके कि कहीं आपके घर में करंट तो लीक नहीं हो रहा है। बिजली के झटकों व दुर्घटनाओं से बचने के लिए ईएलसीबी यानी अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर लगवाएं। अपने बिजली के सिस्टम को ओवरलोड न करें। आपका जितना स्वीकृत यानी सैंक्शंड बिजली लोड है, उसी के हिसाब से बिजली उपकरणों का इस्तेमाल करें। यह बताता है कि आप कितनी बिजली की खपत कर रहे हैं। बिजली बिल पर आपका सैंक्शंड लोड भी लिखा होता है। बिजली मीटर को अपने घर व परिसर के बाहर शिफ्ट करवाएं। यह आपकी सुरक्षा के लिए आवश्यक है। अपने बिजली मीटर के आसपास कोई भी इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल सामान न रखें। जिस जगह पर मीटर बॉक्स लगा है, वह साफ हो और वहां कूड़ा-कचरा तथा कोई भी ज्वलनशील पदार्थ न रखा हो। मीटर बॉक्स तक पहुंच आसान होनी चाहिए।

पालम अग्निकांड: क्या डिजिटल ऑटोमैटिक ताले बने 9 जिंदगियों की मौत के जिम्मेदार, कमरों में फंस गए थे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। पालम के राम चौक में हुए भीषण अग्निकांड में सामने आ रहे नए पहलुओं ने हादसे को और भयावह बना दिया है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि घर में लगे अत्याधुनिक बिजली से संचालित डिजिटल ऑटोमैटिक लॉडिजिडिक, आग के दौरान बिजली कटने के बाद बंद हो गए और कई लोग अपने-अपने कमरों में फंस गए।

वहीं, मोटर रूम से आग की शुरुआत, फायर सेफ्टी उपकरणों का विफल होना और बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता आग की चपेट में होना, इन सभी कारणों ने मिलकर नौ जिंदगियों को निगल लिया। जांच में सामने आया है कि घर के लगभग हर कमरे में ऑटोमेटिक डिजिटल लाक लगाए गए थे, जो बिजली से संचालित होते हैं। आशंका है कि आग लगने के बाद घर के एमसीबी ट्रिप हो गए और साथ ही एहतियातन बिजली विभाग ने भी इलाके की बिजली काट दी। ऐसे में ये लाक बंद हो गए होंगे, जिन्हें बिजली आने तक खोला नहीं जा सकता। इसी कारण कई लोग अपने कमरों में ही फंस गए होंगे। वहीं, जांच के दौरान कमल, उनकी पत्नी आशु और उनकी तीन बेटियां नीहारिका, इवानी और जेसिका के शव उनके कमरे के अंदर मिले। बताया जा रहा है कि उनका कमरा अंदर की ओर था, जिससे उन्हें आग का देर से पता चला और तब तक दरवाजे बंद हो चुके थे। वहीं राजेंद्र कश्यप की पत्नी लाडो, जो एक पैर से दिव्यांग थीं, और उनकी बेटी हिमांशी का शव कमरे के बाथरूम में जली अवस्था में मिला। आशंका है कि दरवाजा नहीं खुलने पर दोनों बचने के लिए बाथरूम में चली गईं, जहां पानी की टंकी भी चालू पाई गई, लेकिन धुएं ने उनकी जान ले ली। परिवार ने सुरक्षा के लिहाज से घर और दुकान में फायर सेफ्टी बाल लगा रखी थीं। यह उपकरण आग लगने पर तीन-पांच सेकंड में फटकर आग बुझाने का काम करता है और लगभग 86-107 वर्ग फुट क्षेत्र में प्रभावी होता है। हालांकि इस हादसे में यह भी बेअसर साबित हुआ। आशंका है कि जहां ये उपकरण लगाए गए थे, वहां तक आग पहुंचने से पहले ही आग तेजी से फैल चुकी थी या इनके सक्रिय होने के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। प्रारंभिक जांच में संभावना जताई गई है कि इमारत के मुख्य द्वार के पास बने मोटर रूम से आग की शुरुआत हुई।

नेतन्याहू बोले- यूएस को युद्ध में हमने नहीं घसीटा, दावा - ईरान की परमाणु-मिसाइल क्षमता लगभग खत्म

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा, इस्राइल और अमेरिका के साझा हवाई हमलों के बाद अब ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन करने या बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की ताकत नहीं बची है। नेतन्याहू के अनुसार, इस्राइल यह युद्ध जीत रहा है और ईरान की सैन्य शक्ति लगभग तबाह हो चुकी है। विदेशी मीडिया से बात करते हुए

नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइली सेना उन कारखानों को निशाना बना रही है, जहां मिसाइल और परमाणु हथियारों के पुर्जे बनते थे। उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल और ड्रोन भंडार अब खत्म होने की कगार पर है। हालांकि, उन्होंने ईरान की परमाणु क्षमता खत्म होने के दावों के पक्ष में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया।

नेतन्याहू ने उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि उन्होंने अमेरिका को इस युद्ध में जबरदस्ती घसीटा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ने ईरान में जो भी कार्रवाई की, वह उसका अपना स्वतंत्र फैसला था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'क्या किसी को सच में लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को कोई बता सकता है कि उन्हें क्या करना है?' नेतन्याहू के मुताबिक, ट्रंप हमेशा वही फैसला लेते हैं जो अमेरिका के लोगों के लिए अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका की सेनाएं और खुफिया एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं, जिससे युद्ध के लक्ष्य तेजी से पूरे हो रहे हैं। अपनी सेहत को लेकर चल रही अफवाहों पर चुटकी लेते हुए नेतन्याहू ने कहा, 'सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं जिंदा हूं।

फिर विवादों में जोहरान ममदानी की पत्नी, फलस्तीन के समर्थन में पुराने पोस्ट वायरल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी की पत्नी और शहर की प्रथम महिला रमा दुवाजी जांच के दायरे में आ गई हैं। रमा दुवाजी पर नस्लीय टिप्पणी और फलिस्तीनी उग्रवादी नेताओं के समर्थन में पोस्ट करने के आरोप लगे हैं।

वाशिंगटन फ्री बीकन की रिपोर्ट में 28 वर्षीय रमा दुवाजी की 2013 से 2017 के बीच सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में बताया गया है।

ममदानी की पत्नी पर लगे गंभीर आरोप

वाशिंगटन फ्री बीकन की रिपोर्ट के मुताबिक, रमा दुवाजी ने अपनी किशोरावस्था के अंतिम वर्षों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के अकाउंट से विवादित पोस्ट शेयर किए।

रिपोर्ट के अनुसार, रमा दुवाजी ने 2013 में, सोशल मीडिया पोस्ट में एक नस्लीय गाली का इस्तेमाल किया। उस समय उनकी उम्र करीब 15 साल रही होगी। रिपोर्ट में पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ पैलेस्टाइन से जुड़े लोगों की प्रशंसा करने वाली पोस्ट के बारे में भी बताया गया है। अमेरिका इसे एक आतंकवादी संगठन मानता है।

रमा दुवाजी ने 2013 से 2017 के बीच एक पोस्ट रीशेयर किया था। इस पोस्ट में लिखा था, तेल अवीव को धिक्कार है। उसे तो अस्तित्व में ही नहीं होना चाहिए। वे कब्जा करने वाले हैं। रिपोर्ट में दुवाजी के सोशल मीडिया पर शेयर किए गए कई पोस्ट के बारे में भी जानकारी दी गई है। दुवाजी ने एक और पोस्ट रीशेयर किया था, जिसमें लिखा था, उन्हें दिखाओ कि फलस्तीन में रातोंरात पिंजरों में बंद, जिंदा जलाए गए और भूख से मर गए बच्चों को। रिपोर्ट में अमेरिकी सेना और इजरायल की आलोचना करने वाली पोस्ट का जिक्र भी किया गया है। रमा दुवाजी का एक और पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने अमेरिकी सेना के बारे में लिखा है कि न तो वे बहादुर हैं और न ही किसी की आजादी के लिए लड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और मंत्री पीजूष हजारिका ने दाखिल किया अपना नामांकन, जीत का किया दावा

असम में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जलुकबारी सीट से और मंत्री पीजूष हजारिका ने जागीरोड से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। वहीं, कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया ने भी नजीरा सीट से पर्चा भरा है, जिससे चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है। असम में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। राज्य के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (BJP) के वरिष्ठ नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने जलुकबारी विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। उनके साथ ही, राज्य सरकार में मंत्री और जागीरोड विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार पीजूष हजारिका ने भी मोरीगांव स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय में अपना पर्चा भरा। नामांकन की इस प्रक्रिया के साथ ही राज्य में राजनीतिक गतिविधियां चरम पर पहुंच गई हैं। दोनों प्रमुख दलों, भाजपा और कांग्रेस, के उम्मीदवार अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं।

जीत को लेकर आश्वस्त दिखे पीजूष हजारिका जागीरोड से नामांकन दाखिल करने के बाद मंत्री पीजूष हजारिका ने मीडिया से बात करते हुए अपनी जीत पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि वह इस बार पहले से भी बड़े अंतर से जीत हासिल करेंगे। हजारिका ने अपनी सरकार के काम का जिक्र करते हुए कहा, "हमने असम की प्रगति के लिए बहुत कुछ किया है और इसे जारी रखेंगे। भाजपा असम की सभ्यता और संस्कृति के लिए कड़ी मेहनत करेगी और यह काम लगातार कर रही है। इसमें कोई समझौता नहीं होगा।"

विपक्ष ने भी भरा पर्चा

दूसरी ओर, विपक्षी खेमे में भी चुनावी तैयारी जोरों पर है। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने नजीरा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है। सैकिया की उम्मीदवारी से नजीरा सीट पर मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद है।

संत प्रेमानंद से मिलीं राष्ट्रपति, हाथ जोड़कर किया प्रणाम

● संत ने राधे-राधे कहा, परिवार के साथ मुर्मू वृंदावन पहुंचीं, 25 मिनट चर्चा की

मथुरा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मथुरा में संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। उन्होंने 25 मिनट तक आध्यात्मिक चर्चा की। राष्ट्रपति शुक्रवार सुबह 7 बजे बारिश के बीच परिवार के साथ प्रेमानंदजी के वृंदावन आश्रम पहुंचीं। उन्होंने हाथ जोड़कर संत को प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने राधे-राधे कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। आश्रम में राष्ट्रपति का संतों ने माला-चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने प्रेमानंदजी को जन्मदिन की भी बधाई दी। गुरुवार यानी 19 मार्च को उनका 56वां जन्मदिन था।

दरअसल, राष्ट्रपति मुर्मू, यूपी के 3 दिन के दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए थे। फिर शाम को मथुरा पहुंचीं। प्रेमानंदजी से मुलाकात के बाद बाबा नीम करौरी महाराज के आश्रम पहुंचीं। राष्ट्रपति मुर्मू का मथुरा का यह दूसरा दौरा है। इससे पहले वह पिछले साल 25 सितंबर को आई थीं।

दरबार में पूरे परिवार के साथ पहुंची थीं राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू, दामाद गणेश हेम्ब्रम और दोनों नातिनें आद्याश्री और नित्याश्री मौजूद थीं। केलीकुंज आश्रम में राष्ट्रपति और उनके परिवार के लिए कुर्सियां लगाई गई थीं। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति संत प्रेमानंद महाराज के साथ आध्यात्मिक चर्चा के दौरान भाव-विभोर दिखीं। इस दौरान कुटिया में सिर्फ राष्ट्रपति, उनके परिजन और संत के करीबी शिष्य ही मौजूद रहे। संत प्रेमानंद से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति, रामकृष्ण मिशन हॉस्पिटल पहुंची। वहां पश्चिमी यूपी की सबसे आधुनिक कैंसर यूनिट 'नंदकिशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' का उद्घाटन किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल,यूपी के मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण भी मौजूद रहे।

तृतीय मां चंद्रघंटा

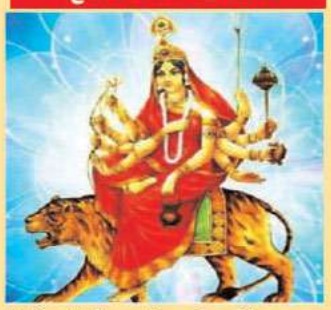

देवी मां के तृतीय ईश्वरीय स्वरूप का नाम मां चन्द्रघण्टा है।'चंद्र' हमारी बदलती हुई भावनाओं, विचारों का प्रतीक है (ठीक वैसे ही जैसे चन्द्रमा घटता व बढ़ता रहता है)। 'घंटा' का अर्थ है जैसे मंदिर के घण्टे-घड़ियाल।

आनंद एक ऐसी सुखानुभूति है, जो अंतस से होती है अनुभूत

● सीएम बोले-दूजे के सुख में भी स्व का आनंद ढूंढ़ना है भारतीय संस्कृति की चेतना का आधार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम मनुष्य आदतन सुख-सुविधाओं की वस्तुओं और विलासतापूर्ण जीवन में ही सुख ढूंढ़ते रहते हैं। भौतिक सुख की अभिलाषा सबको है पर आत्मिक सुख और शांति की दरकार कम ही लोगों को है। जबकि जीवन का आनंद भौतिकता में नहीं, मन के भावों की संतुष्टि में निहित है। उन्होंने कहा कि आनंद एक ऐसी सुख की अनुभूति है, जो धन से सुख-सुविधाओं के यंत्र वस्तुएं खरीदकर नहीं, बल्कि अपने अंतस में जागे मानवीय भावों के तृप्त होने पर भीतर से उपजती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को आनंद के आयाम-राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

आनंदोत्सव के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में दी नकद राशि- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलन कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगल आरंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में 14 से 28 जनवरी तक मनाए गए आनंदोत्सव के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में नकद राशि और प्रशस्ति पत्र दिए। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी विधा में प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 15 हजार रुपए एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रुपए दिए गए।

हम दूसरों के सुख में भी अपने आनंद की अनुभूति प्राप्त कर लें- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम दूसरों के सुख में भी अपने आनंद की अनुभूति प्राप्त कर लें, यही सनातन संस्कृति की चेतना का आधार है। हम सभी को अपने कार्यों को पूरे आनंद, उत्साह और दक्षता के साथ संपादित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव जीवन में आनंद के आयाम, हमारे सुख और दुख के बीच के अंतर को समझने से पता चलते हैं। आदिकाल से भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की रही है, जिसमें परिवार की धारणा को विशेष महत्व दिया गया है। वर्ष 1956 के विश्व हिंदू सम्मेलन में मार्गेट थेचर ने भारत और इंग्लैंड की संस्कृति का मूल अंतर सबको समझाया था।

मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण और माता देवकी का दिया उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण, माता देवकी के जीवन में भारी कष्टों से निवृत्ति के बाद मिले आनंद पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यशोदा मैया और नंद बाबा ने कन्हैया के लालन-पालन में ही आनंद की अनुभूति की। उन्होंने कभी ये नहीं सोचा कि यह किसी और का शिशु है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सुख और दुख बिना विचलित हुए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। जबकि महाभारत में उन्हीं के सैनिक उनके सामने युद्ध लड़ रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ के आयोजन में साधु-संत भीषण गर्मी में अग्नि स्नान करते देखे जाते हैं। उनके शरीर पर मौसम और कांटों तक का कोई असर नहीं पड़ता है, क्योंकि वे भगवान के समीप साधना के मार्ग से आनंद में डूबते हैं। सनातन संस्कृति में हमारे संत अग्नि वस्त्र धारण कर समाज की कई उलझनों को दूर करने के लिए अपने जीवन का निचोड़ देते हैं। हरिद्वार से आए महर्षि मधुसूदन जी महाराज ने कहा कि संसार के भौतिक जगत को मापने का मापदंड मैटा फिजिक्स तय करती है। इसके दो भागों में संसार के तत्व ज्ञान और ब्रह्म ज्ञान हैं।

चार साल से अटका ग्वालियर-बैतूल एनएच मार्ग अब बनेगा

● हाईकोर्ट के आदेश के बाद रुका था काम, 21 किमी एरिया वाइल्डलाइफ के दायरे में था

भोपाल। वन्यजीवों के एरिया से होकर गुजरने वाले और ग्वालियर से बैतूल को जोड़ने वाला 634 किमी लंबा नेशनल हाईवे अब जल्द पूरा हो सकेगा। हाईकोर्ट ने चार साल पहले इसे वन्यजीवों के लिए असुरक्षित बताते हुए काम रोकने का आदेश दिया था। वाइल्डलाइफ बोर्ड और केंद्र सरकार से जरूरी परमिशन मिलने के बाद ही काम चालू करने के आदेश दिए थे। अब सारी परमिशन मिलने के बाद काम शुरू किया जाने वाला है। यह निर्माण इस मार्ग के बरेठा घाट सेक्शन पर 20.9 किमी में निर्माण कार्य परमिशन के चलते शुरू होगा। यह मार्ग भोपाल-नागपुर कॉरिडोर का भी एक हिस्सा है, जो बैतूल होते हुए गुजरता है। इस परियोजना के अंतर्गत बैतूल तक के अधिकांश खंडों में निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इसमें से 21 किलोमीटर का एक भाग शेष रह गया था।

रूसी इनपुट पर एनआईए ने पकड़े थे अमेरिकी-यूक्रेनी नागरिक

● म्यांमार सीमा पर हथियारबंद गुटों को ट्रेनिंग दी, ग्रुप में 14-15 लोग, अन्य की तलाश जारी

आईजोल (एजेंसी)। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पूर्वोत्तर (मिजोरम सीमा) में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने रूसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर अमेरिकी और यूक्रेनी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए लोगों पर भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने का आरोप है। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह गिरोह म्यांमार के हथियारबंद गुटों को ट्रेनिंग दे रहे था। टूरिस्ट वीजा की आड़ में म्यांमार के विद्रोही गुटों को ड्रोन और आधुनिक युद्ध तकनीक की ट्रेनिंग दी जा रही थी। ये लोग टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे, लेकिन मिजोरम में बिना अनुमति अवैध रूट से पहुंचे और यहां से पड़ोसी देश म्यांमार की सीमा में घुस गए। सूत्रों के अनुसार 8 अन्य यूक्रेनियन की तलाश जारी है। कुल 14-15 लोगों का ग्रुप

था। ये लोग यूरोप से बड़े पैमाने पर ड्रोन पहुंचा रहे थे, जो संभवतः भारत से जुड़े उग्रवादी समूहों तक पहुंच सकते थे। आरोपी कई बार ट्रेनिंग देने आ चुके हैं। इस बार वे गुवाहाटी पहुंचे और फिर मिजोरम से अवैध रूप से म्यांमार में घुसे, जहां ट्रेनिंग दी।

● **वैनडाइक है मास्टरमाइंड, लीबिया में विद्रोही लड़ाकों का मददगार-** मैथ्यू एरॉन वैनडाइक अमेरिका के मैरीलैंड के बाल्टीमोर का रहने वाला है। वह एक भाड़े का सिपाही, डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकर, सुरक्षा विश्लेषक और सन्स ऑफ लिबर्टी इंटरनेशनल नाम की संस्था के संस्थापक है। मैथ्यू ने वॉर कॉरस्पोंडेंट और बिजनेसमैन के तौर पर भी काम किया है।

पूर्वोत्तर में ड्रोन वारफेयर का डर

म्यांमार गृहयुद्ध में ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ा है। एनआईए सूत्रों का मानना है कि ये ड्रोन अब भारत के उग्रवादियों तक पहुंच सकते हैं। इससे पूर्वोत्तर में ड्रोन अटैक का खतरा बढ़ेगा। यहां म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध और जातीय संघर्ष के कारण पहले भी विदेशी मर्सिनरी या ट्रेनर्स के आने की खबरें आ चुकी हैं। मिजोरम-म्यांमार सीमा पर लंबे समय से अस्थिरता बनी है। यहां चिन स्टेट, अराकान आर्मी और अन्य सशस्त्र जातीय संगठन जैसे चिन नेशनल आर्मी, चिन फ्रंट आदि सैन्य जुंटा के खिलाफ लड़ रहे हैं। चिन स्टेट म्यांमार का हिस्सा है, जो मिजोरम से सटा है।